



राष्ट्रीय एकता परिषद

परीलम्स के लिये:

राष्ट्रीय एकता परिषद

मेन्स के लिये:

राष्ट्रीय एकता परिषद की भूमिका

संदर्भ:

राम जन्मभूमि/बाबरी मस्जिद मुद्दे पर सर्वसम्मति बिनाने के लिये राष्ट्रीय एकता परिषद की बैठक बुलाई जाने की मांग की जा रही है।

राष्ट्रीय एकता परिषद के बारे में:

पृष्ठभूमि:

- प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा वर्ष 1961 में राष्ट्रीय एकता से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिये एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- इस सम्मेलन के पश्चात् वर्ष 1962 में राष्ट्रीय एकता परिषद (National Integration Council- NIC) की पहली आधिकारिक बैठक का आयोजन किया गया।

उद्देश्य:

- वर्ष 1968 में हुई राष्ट्रीय एकता परिषद की बैठक में इसके उद्देश्य की घोषणा की गई जो इस प्रकार है- “ हमारे संविधान आधार आम नागरिकता (Common Citizenship), विविधता में एकता, धर्मों की स्वतंत्रता (Freedom of Religions), धर्मनिरपेक्षता (Secularism), समानता, राजनीतिक-सामाजिक-आर्थिक न्याय और सभी समुदायों के बीच भाईचारा है। ”
- राष्ट्रीय एकता परिषद इन संवैधानिक मूल्यों के अनुपालन हेतु प्रतर्बद्धता है।
- इसका उद्देश्य सांप्रदायिकता, जातिवाद और क्षेत्रवाद की समस्याओं को दूर करने हेतु समाधान खोजना है।

संगठन:

- यह एक सरकारी सलाहकार निकाय है और इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करता है।
- परिषद के सदस्यों में कैबिनेट मंत्री, उद्यमी, मशहूर हस्तियों, मीडिया प्रमुख, मुख्यमंत्री और वपिक्षी नेता आदि शामिल होते हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

